i-NEXT PAGE 2

एडमिशन की जानकारी को नहीं होगा भटकना

LUCKNOW(29 Sept inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स को एडमिशन से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा. दरअसल, यूनिवर्सिटी ने मंगलवार को स्थाई केंद्रीय प्रवेश कार्यालय की स्थापना की. कार्यालय सीपीएमटी बिल्डिंग (अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय) के सेकंड फ्लोर पर स्थापित किया गया है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के इस पहले केंद्रीय प्रवेश कार्यालय का मंगलवार को उद्घाटन किया. अभी तक प्रवेश का काम संबंधित प्रवेश समन्वयक के विभाग स्तर पर देखा जाता था. कई बार स्टूडेंट्स की ओर से एडमिशन संबंधी छोटी छोटी जानकारियों के लिए चक्कर लगाने की शिकायतें सामने आती रहती थी.

यूनिवर्सिटी ने स्थायी सेंट्रल एडमिशन ऑफिस की शुरुआत की

एलयू-एमजीएआई के बीच एमओयू

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (29 Sept): एजुकेशन मॉड्यूल से लेकर ट्रेनिंग को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को महात्मा गांधी नेशनल ऑफ रूरल एजुकेशन और लखनऊ यूनिवर्सिटी के बीच एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया गया. अनुबंध के तहत यूनिवर्सिटी में रूरल डेवलपमेंट से संबंधित कोर्सों के सेलेबस को डिजाइन करने में मदद मिलेगी. अनुबंध पत्र पर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक राय और एमजीएनआरई के चेयरमैन डॉ. डब्ल्यूजी प्रसन्ना कुमार ने हस्ताक्षर किए. अनुबंध के मुताबिक स्टूडेंट्स ट्रेनिंग, टीचर्स ट्रेनिंग सहित एजुकेशन मॉड्यूल को इंडस्ट्री के हिसाब से डिजाइन करने में मदद मिलेगी. इसके अलावा यूनिवर्सिटी के संबद्ध एसोसिएट कॉलेजों में सेल की स्थापना की जाएगी. सेल के जरिये कॉलेजों के शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी. शिक्षक छात्रों को ट्रेनिंग देंगे.

AMAR UJALA MY CITY PAGES 1 & 5

केंद्रीय प्रवेश कार्यालय का कुलपति ने किया उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को दाखिले के लिए स्थायी केंद्रीय प्रवेश कार्यालय का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उद्घाटन किया। अभी तक स्थायी कार्यालय न होने की वजह से विद्यार्थियों को इधर-उधर भटकना पड़ता था। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अब अभ्यर्थियों को प्रवेश से संबंधित समस्याओं के लिए इधर-उधर जाने की जरूरत नहीं होगी। वे कार्यालय में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करके अपनी समस्या का समाधान कर लेंगे।

विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है जब प्रवेश के लिए स्थायी कार्यालय को स्थापित किया गया है। यह कार्यालय सीपीएमटी बिल्डिंग (अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय) के द्वितीय तल पर स्थापित किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस समय परिसर के साथ ही संबद्ध महाविद्यालयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों की ऑफ कैम्पस ऑनलाइन काउंसिलिंग चल रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थायी केंद्रीय प्रवेश कार्यालय का उद्घाटन करते कुलपति।

लखनऊ विश्वविद्यालय को मिला आईएसओ सर्टिफिकेट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर स्टैंडर्ड (आईएसओ) से प्रमाणित संस्थान बन चुका है। लखनऊ विश्वविद्यालय को शिक्षण, कुशल प्रबंधन और सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए यूके सर्टिफाइड लिमिटेड ने यह प्रमाणपत्र दिया है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसके लिए विश्वविद्यालय का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया गया, जिसमें लविवि को प्रमाणपत्र के अनुरूप पाया गया।

दिव्यांगों के लिए बनाई पॉलिसी : दिव्यांग विद्यार्थियों को सहयोग देने के लिए लविवि में 'पॉलिसी फॉर पर्सन्स विथ डिसेबिलिटीज बनाई गई है। कार्यपरिषद से इसे पास कर दिया गया है। पॉलिसी के तहत अब सभी क्षेत्रों में दिव्यांग छात्र और कर्मचारियों के विकास के लिए समिति का गठन किया जाएगा, जो दिव्यांगों के सभी काम और शिकायतों पर ध्यान देगी।

आधारभूत संरचनाओं के रखरखाव व उपयोग के लिए भी होगी नीति : लविवि की कार्यपरिषद ने आधारभूत संरचनाओं के रखरखाव व उपयोग संबंधी नीति भी पास की है। इसका मकसद सभी भौतिक सुविधाओं के नियमित रखरखाव, परिसर के विकास और परिसर संबंधी किसी भी आकस्मिक असुविधा का निवारण करना है।

लविवि : 10 तक हॉस्टल खाली करने का निर्देश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब छात्रावास खाली करने के लिए कहा गया है। इसके लिए 10 अक्तूबर तक का समय दिया गया है। लविवि में पिछले साल से आवंटित छात्रावास अभी तक खाली नहीं किए गए हैं। इस साल हॉस्टल आवंटन की प्रक्रिया शुरू होनी है। इसे देखते हुए लविवि प्रशासन ने विद्यार्थियों को देय भुगतान कर हॉस्टल से अपना सामान ले जाने को कहा है।

एलयू में स्नातक में प्रवेश के लिए विकल्प चुनने का आज आखिरी मौका

एनबीटी,लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स के लिए विकल्प चुनने का आखिरी मौका बुधवार तक है। बुधवार दोपहर 3 बजे तक वह दाखिले के लिए अपने पसंदीदा विकल्प को चुन सकते हैं। इसके बाद अभ्यर्थियों को मौका नहीं दिया जाएगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक विकल्प भरने की सलाह दी गई है। ताकि उन्हें सीट से वंचित न किया जाए। इसके बाद आवंटन प्रक्रिया शुरू होगी। इसका परिणाम अभ्यर्थियों के लॉगिन पर उपलब्ध होगा।

NBT PAGE 6

एलयू में दाखिले की जानकारी के लिए नहीं होगा भटकना

एनबीटी,लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी में छात्रों को प्रवेश से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। विवि ने मंगलवार को स्थाई केंद्रीय प्रवेश कार्यालय की स्थापना कर दी है। यह कार्यालय सीपीएमटी बिल्डिंग (अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय) के द्वितीय तल पर बनाया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस कार्यालय का मंगलवार को उद्घाटन किया।

खुला स्थायी सेंट्रल एडमिशन ऑफिस

एलयू में अब तक प्रवेश का काम संबंधित प्रवेश समन्वयक के विभाग स्तर पर देखा जाता था। कई बार छात्रों को एडमिशन संबंधी छोटी-छोटी जानकारियों के लिए चक्कर काटना पड़ता था। एलयू प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है, जब प्रवेश के लिए स्थायी कार्यालय को स्थापित किया गया है। अब स्टूडेंट्स एडमिशन से सम्बन्धित समस्याओं के लिए इधर-उधर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, वे कार्यालय में सम्बन्धित अधिकारियों से सम्पर्क करके अपनी समस्या का समाधान आसानी से कर सकेंगे।

एलयू को मिला आईएसओ प्रमाण पत्र

लखनऊ विश्वविद्यालय को शिक्षण, कुशल प्रबंधन और सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों के उचित प्रलेखन में उत्कृष्टता को देखते हुए आईएसओ प्रमाण पत्र दिया गया। इसके साथ ही यूके सर्टिफाइड लिमिटेड (यूके) द्वारा भी एलयू को प्रमाणित किया गया है। जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी।

10 अक्टूबर तक खाली करने होंगे हॉस्टल

एलयू स्टूडेंट्स को 10 अक्टूबर तक हॉस्टल खाली करने होंगे। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पाण्डेय का कहना है कि स्टूडेंट्स अपने छात्रावास के प्रोवोस्ट से संपर्क करके नोड्यूज क्लीयर करा लें।

HINDUSTAN PAGE 9

एलयू में केन्द्रीय प्रवेश कार्यालय शुरू

लखनऊ | **वरिष्ठ संवाददाता**

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों को प्रवेश से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। विश्वविद्यालय ने मंगलवार को स्थाई केंद्रीय प्रवेश कार्यालय की स्थापना की।

यह कार्यालय सीपीएमटी बिल्डिंग के द्वितीय तल पर बनाया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के इस पहले केंद्रीय प्रवेश कार्यालय का मंगलवार को उद्घाटन किया।

अभी तक प्रवेश का काम संबंधित प्रवेश समन्वयक के विभाग स्तर पर देखा जाता था। कई बार छात्रों को प्रवेश संबंधी छोटी-छोटी जानकारियों के लिए चक्कर लगाने पड़ते थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को लविवि के स्थाई केंद्रीय प्रवेश कार्यालय का उद्घाटन किया।

लविवि के प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि के इतिहास में यह पहली बार है जब प्रवेश के लिए स्थायी कार्यालय को स्थापित किया गया है । अब अभ्यर्थियों को प्रवेश से सम्बन्धित समस्याओं के लिए इधर-उधर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, वे सीधे कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

लविवि को आईएसओ प्रमाणपत्र दिया गया

लखनऊ। लविवि को आईएसओ 9001: 2015 के निर्देशों के अनुरूप पाया गया है। आईएसओ (इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर स्टैंडर्ड) की ओर से प्रमाण पत्र दिया गया । लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया शिक्षण, प्रबंधन और सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों के उचित प्रलेखन में उत्कृष्टता को देखते हुए यह प्रमाण पत्र दिया गया।

THE PIONEER PAGE 3

Admission office inaugurated at LU

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University Vice-Chancellor AK Rai inaugurated the admission office at the CPMT building on Tuesday. The objective is to help students seeking admission to the university. Spokesperson Durgesh Srivastava said it's the first time that an admission office has been opened at the university.

"We already had the office of DSW and chief provost at this building and now we have the admission office which will have all the data. Students seeking admission can approach this office and do not have to waste time going at different points," he said.

Meanwhile, with repeated requests from candidates regarding re-arranging of choices filled in the ongoing online off-campus counselling process of undergraduate and undergraduate management programmes, the VC has allowed the choices of all such candidates who have already locked their choices to be unlocked so that they can re-arrange them till 3 pm on September 30.

The LU spokesperson said such candidates will not have to pay any fees for this process as they are already registered. All the candidates are advised to give as many choices as they want, especially those who have secured lower ranks, so that they are not denied a seat. Thereafter, the allotment process will begin, result of which will be available on the login of candidates.

Meanwhile, Lucknow University is joining hands with MGNCRE and a formal MoU was signed by VC AK Rai and chairman of MGNCRE WG Prasanna Kumar on Tuesday through video-conferencing. The salient points of the MoU are providing the course curriculum developed by the institute to LU and providing the online course content to the students and faculty members of LU. A senior faculty member said that Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) department of Higher Education, Union Ministry of Education has taken the onus of strengthening the process of teaching and learning with institutional systems and processes.

"Also, as per NEP-2020 guidelines, there is a need of faculty members who can adapt to the rapidly evolving learning environment. MGNCRE is the fore-runner in various path-breaking activities including propelling Rural Entrepreneurship Development (RED) activities. Gandhi's thoughts on village self-reliance or Atmanirbhar Bharat focus on village economic activities would help in promoting entrepreneurship opportunities in manufacturing and marketing rural products and rural services and exploring models of art, craft for entrepreneurship, and for self-reliance" he said.

JAGRAN CITY PAGE IV

लविवि : दिव्यांगों के लिए बनी पॉलिसी

शिक्षा के क्षेत्र में भेदभाव शोषण और बहिष्कार से निपटने के होंगे कारगर इंतजाम

लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में पॉलिसी फॉर पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज तैयार किया गया। इसके तहत काम और शिक्षा के क्षेत्र में दिव्यांग छात्रों और कर्मचारियों के भेदभाव, शोषण और बहिष्कार से निपटने के कारगर इंतजाम रहेंगे।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विवि के दिव्यांग छात्रों और कर्मचारियों को विशेष सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रशासन द्वारा एक विशेषज्ञ समिति (एक्सपर्ट कमिटी फॉर पर्सन विथ डिसेबिलिटी) का गठन किया गया है। कमेटी के सदस्य दिव्यांगों के लिए नीति और दिशानिर्देश तैयार करने, और उसे लागू करने का काम करेंगे। कमेटी के सदस्य तीन साल तक के लिए नियुक्त रहेंगे।

समिति पर होगी अहम जिम्मेदारी : विवि परिसर स्थित विभागों / संस्थानों / केंद्रों और प्रशासनिक कार्यालयों के दिव्यांगजनों से संपर्क बनाए रखना। उनकी किसी भी शिकायत का हल करना। खुले कोटे के और आरक्षण के माध्यम से अधिक से अधिक दिव्यांग छात्रों का प्रवेश सुनिश्चित कराना। उद्यमिता के लिए तैयार करना। किसी हीन भावना का शिकार ना हो, इसके लिए मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग मुहैया कराना है।

केंद्रीय प्रवेश कार्यालय स्थापित : लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए छात्र-छात्राओं को अब इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं। विश्वविद्यालय ने मंगलवार को स्थाई केंद्रीय प्रवेश कार्यालय की स्थापना की। सीपीएमटी भवन के द्वितीय तल पर स्थापित इस कार्यालय का उद्घाटन मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। दरअसल, अभी तक दाखिले से जुड़े काम प्रवेश प्रक्रिया के समन्वयक के विभाग स्तर पर होता था। आए दिन छात्र-छात्राओं को प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए विभाग के इधर-उधर पटल पर दौड़ लगाना पड़ता था। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इतिहास में यह पहली बार है, जब प्रवेश के लिए स्थायी कार्यालय स्थापित किया गया है।

विवि को एक और खिताब, आइएसओ प्रमाण पत्र मिला

लखनऊ विश्वविद्यालय के नाम एक और खिताब जुड़ गया है। विश्वविद्यालय को शिक्षण, कुशल प्रबंधन, प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों के बेहतर मैनेजमेंट के मानकों पर खरा पाया गया। इन पर ही लखनऊ विश्वविद्यालय का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया गया। इसके तहत इसे आइएसओ 9001 : 2015 के निर्देशों के अनुरूप पाया गया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर स्टैंडर्ड आइएसओ एक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली बनाने के लिए निर्देशों को परिभाषित करता है। यह गुणवत्ता को नियंत्रित करने वाली प्रक्रियाओं के डॉक्यूमेंटेशन की आधिकारिक प्रक्रिया है। इसी क्रम में विवि को प्रमाणित किया गया है।

PIONEER PAGE 3

दिव्यांग छात्रों की मदद के लिए एलयू में विशेषज्ञों की बनेगी कमेटी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दिव्यांग छात्रों और कर्मचारियों की मदद के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन एक्सपर्ट का पैनल बनाएगा। यह पैनल दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नीति और दिशानिर्देश तैयार करने, लागू करने और संशोधित करने के लिए जिम्मेदार होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कार्यपरिषद की बैठक में दिव्यांगों के लिए इस नई नीति के तहत बनने वाले पैनल के सभी सदस्यों को तीन साल की अवधि के लिए विवि के कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह समिति परिसर में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र पहुंच सुनिश्चित करनाए दिव्यांग व्यक्तियों की शिकायतों को तत्परता के साथ हल करनाए दिव्यांग छात्रों की अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश सुनिश्चित करना, उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं का आकलन करना समेत जिम्मेदारी है। इसके अलावाए विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, दिव्यांगों को उनकी पढ़ाई के सफल समापन के बाद उचित रोजगार आदि का प्रबंध सुनिश्चित करना आदि इस समिति के परिप्रेक्ष्य में शामिल किया जाएगा।

लविवि और एमजीएनआरई के बीच हुआ अनुबन्ध

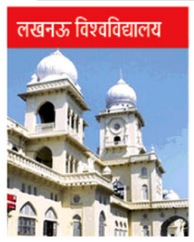

लखनऊ(पीएनएस)। एजुकेशन मॉड्यूल से लेकर ट्रेनिंग को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को महात्मा गांधी नेशनल आफ रूरल एजुकेशन और लखनऊ विश्वविद्यालय के बीच एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किया गया। अनुबन्ध के तहत विवि में रूरल डेवलपमेंट से सम्बंधित कोर्सों के सलेबस को डिजाइन करने में मदद मिलेगी। अनुबन्ध पत्र पर विवि के कुलपति प्रो आलोक राय और एमजीएनआरई के चेयरमैन डॉ डब्ल्यू जी प्रसन्ना कुमार ने हस्ताक्षर किए। अनुबन्ध के मुताबिक स्टूडेंट्स ट्रेनिंग, टीचर्स ट्रेनिंग सहित एजुकेशन मॉड्यूल को इंडस्ट्री के हिसाब से डिजाइन करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा विवि के सम्बद्ध एसोसिएट कालेजों में सेल की स्थापना की जाएगी। सेल के जरिये कालेजों के शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। शिक्षक छात्रों को ट्रेनिंग देंगे।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि में खुला स्थायी केन्द्रीय प्रवेश कार्यालय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को स्थायी केन्द्रीय प्रवेश कार्यालय खोला गया, जिसका उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। उक्त कार्यलय के खुल जाने से अब अभ्यर्थियों को प्रवेश से सम्बन्धित समस्याओं के लिए इधर-उधर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, वह कार्यालय में सम्बन्धित अधिकारियों से सम्पर्क करके अपनी समस्या का समाधान कर सकेंगे । यह कार्यालय सीपीएमटी विल्डिंग (अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय) के द्वितीय तल पर स्थापित किया गया है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में बना केंद्रीय प्रवेश कार्यालय

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय में पहली बार स्थायी केन्द्रीय प्रवेश कार्यालय का उद्घाटन मंगलवार को किया। अब अभ्यर्थियों को प्रवेश से सम्बंधित समस्याओं के लिए इधर-उधर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

● अब अभ्यर्थियों को नहीं पड़ेगा भटकना

वे कार्यालय में सम्बंधित अधिकारियों से संपर्क करके अपनी समस्या का समाधान कर लेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है जब प्रवेश के लिए स्थायी कार्यालय को स्थापित किया गया है। यह कार्यालय सीपीएमटी बिल्डिंग (अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय) के द्वितीय तल पर स्थापित किया गया है। प्रवेश से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर कुलपति के नेतृत्व में इतिहास में पहली बार

लखनऊ विश्वविद्यालय न सिर्फ विश्वविद्यालय परिसर का साथ ही सम्बद्ध महाविद्यालयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों का प्रवेश कार्य भी सम्पादित कर रहा है, जिसकी आफ कैम्पस ऑनलाइन काउंसलिग इस समय चल रही है।